सिद्धार्थ विश्वविद्यालय
कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर
पिनः–272202
website: www.suksn.edu.in

SIDDHARTH UNIVERSITY
Kapilvastu, Sidhharth Nagar
Pin -272202
Email Id: registrarsidduniv@gmail.com

पत्रांकः 1485 /सा0प्र0/सि0वि0वि0/2024 दिनांक 14/08/2024

सेवा में,

प्राचार्य/प्राचार्या
समस्त सम्बद्ध राजकीय, अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित महाविद्यालय
सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर।

विषय– स्वतंत्रता दिवस समारोह 15 अगस्त, 2024 के शुभ अवसर पर शिक्षा निदेशक, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश महोदय का संदेश।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शिक्षा निदेशक, (उ0शि0) डिग्री विकास अनुभाग उत्तर प्रदेश, प्रयागराज के पत्र संख्या डिग्री विकास/858/2024–25 दिनांक 13/08/2024 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जिसके क्रम में अवगत कराया गया है कि 15 अगस्त, 2024 को मनाये जाने वाले स्वतन्त्रता दिवस समारोह के शुभ अवसर पर शिक्षा निदेशक, (उच्च शिक्षा) उत्तर प्रदेश द्वारा निर्गत संदेश का वाचन कराया जाना है।

उक्त के क्रम में आप सभी से अनुरोध है कि 15 अगस्त, 2024 को स्वतन्त्रता दिवस समारोह के शुभ अवसर पर शिक्षा निदेशक, (उच्च शिक्षा) उत्तर प्रदेश के संदेश को अपने संस्था/महाविद्यालय/कार्यालय में होने वाले स्वतंत्रता दिवस समारोह में वाचन कराने का कष्ट करें।

संलग्नक–यथोक्त

भवदीय
14.08.24
कुलसचिव
सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु,
सिद्धार्थनगर।

पत्रांक एवं दिनांक तदैव।

प्रतिलिपि– निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित–

1. अधिष्ठाता, छात्र कल्याण, सि0वि0वि0 कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर।
2. डॉ0 अविनाश प्रताप सिंह, मीडिया प्रभारी/जनसम्पर्क अधिकारी, सि0वि0वि0 कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर।
3. निजी सचिव, कुलपति, माननीय कुलपति महोदया, के अवलोकनार्थ।
4. प्रभारी कम्प्यूटर सेल, को इस आशय से प्रेषित कि कृपया उक्त सूचना विश्वविद्यालय की बेवसाइट पर अपलोड करने हेतु।
5. सम्बन्धित पत्रावली।

कुलसचिव

प्रेषक,

शिक्षा निदेशक,(उ0शि0)
डिग्री विकास अनुभाग
उत्तर प्रदेश, प्रयागराज।

सेवा में,

1- समस्त क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी,
उत्तर प्रदेश ।

2- प्राचार्य/ प्राचार्या,
समस्त राजकीय, अशासकीय सहायता प्राप्त एवं स्ववित्तपोषित महाविद्यालय
उत्तर प्रदेश ।

पत्रांकः डिग्री विकास/ 858 /2024-25 दिनांक- 13/ 08 /2024

विषयः-स्वतन्त्रता दिवस समारोह 15 अगस्त, 2024 के शुभ अवसर पर शिक्षा निदेशक, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश महोदय का संदेश ।

महोदय,

आगामी 15 अगस्त, 2024 को मनाये जाने वाले स्वतन्त्रता दिवस समारोह के शुभ अवसर पर शिक्षा निदेशक,(उच्च शिक्षा) उत्तर प्रदेश महोदय के संदेश की एक प्रति संलग्न कर आपके पास इस आशय से प्रेषित है कि कृपया उक्त अवसर पर अपने संस्था/ महाविद्यालय/ कार्यालय में होने वाले समारोह में इस संदेश का वाचन कराने का कष्ट करें ।

<u>**संलग्नक-संदेश**</u> ।

भवदीय,

डॉ0(एस0के0एस0 पाण्डेय)
सहायक निदेशक,(उ0शि0)
कृते-शिक्षा निदेशक(उ0शि0)
उत्तर प्रदेश, प्रयागराज ।

पृष्ठांकन संख्याः डिग्री विकास/ 858 – 62 / उसी तिथि को ।

प्रतिलिपि निम्नलिखित सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः-

1- कुलसचिव, समस्त राज्य विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश ।
2- निदेशक, सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, लखनऊ ।
3- पुस्तकालयाध्यक्ष, राजकीय पब्लिक लाइब्रेरी, प्रयागराज ।

डॉ0(एस0के0एस0 पाण्डेय)
सहायक निदेशक,(उ0शि0)
कृते-शिक्षा निदेशक(उ0शि0)
उत्तर प्रदेश, प्रयागराज ।

13/8/24

O/C

स्वतंत्रता दिवस
15 अगस्त, 2024

शिक्षा निदेशक(उच्च शिक्षा)
उत्तर प्रदेश, प्रयागराज का संदेश

भारत वर्ष के 78वें स्वतंत्रता दिवस के पुनीत राष्ट्रीय पर्व पर मै आप सभी का अभिनन्दन करता हूँ । इस अवसर पर मैं प्रदेश के समस्त शिक्षकों, शिक्षाविदों, छात्र –छात्राओं, कार्मिकों, अभिभावकों तथा राष्ट्रीय निर्माण के प्रति समर्पित समस्त महानुभावों को हार्दिक बधाई देता हूँ तथा मैं आप सबकी बौद्धिक ऊर्जा को राष्ट्र निर्माण की दिशा में उपयोग किये जाने हेतु आवाहन करता हूँ । मै इस पावन पर्व को स्वतंत्रता दिवस के रुप में मनाये जाने का अवसर प्रदान करने वाले उन समस्त ज्ञात –अज्ञात अमर शहीदों के प्रति भी श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूँ तथा अपनी राष्ट्रीय अस्मिता के प्रतीक राष्ट्रीय ध्वज को हार्दिक नमन करता हूँ ।

देश एवं प्रदेश के सर्वागीण विकास में उच्च शिक्षा का विशिष्ट स्थान है । उच्च शिक्षा जिसे अक्सर अकादमिक खोज का शिखर माना जाता है, यह व्यक्तियों की शैक्षिक यात्रा मे एक क्रान्तिकारी चरण का प्रतिनिधित्व करती है क्योकिं उच्च शिक्षा शोध एव बौद्धिक जिज्ञासा की संस्कृति को विकसित करती है और मनुष्य को जीवन की निर्मित चुनौतियों का सामना करने हेतु सशक्त बनाती है । इसका निरन्तर विकास वर्तमान में विद्यमान आवश्यकताओं तथा भविष्य की सम्भावनाओं एवं सामाजिक अपेक्षाओं के आलोक में किया जाना है । राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अन्तर्गत उच्च शिक्षा के आधुनिकीकरण, गुणवत्तापरक उच्च शिक्षा के साथ –साथ उत्तर प्रदेश में उच्च शिक्षा को विश्वस्तरीय बनाये जाने हेतु उच्च शिक्षा विभाग निरन्तर प्रयासरत है । वस्तुतः उच्च शिक्षा मात्र ज्ञानार्जन का उपक्रम अथवा मनुष्य की मानसिक एवं बौद्धिक धरातल पर होने वाले जानकारियों एवं सूचनाओं के आदान- प्रदान से ही संबंधित नहीं है वरन शिक्षा नीति 2020 के अन्तर्गत विभिन्न रोजगारपरक/ वोकेशनल पाठ्यक्रमों के द्वारा गुणवत्तापरक उच्च शिक्षा के लक्ष्य प्राप्ति का निरन्तर प्रयास किया जा रहा है । स्वतंत्रतता के पश्चात उच्च शिक्षा का प्रसार तीव्र गति से हुआ है जिसके फलस्वरुप विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है । उच्च शिक्षा को उच्च स्तरीय मानकों के अनुरुप सवंर्धन करने हेतु निम्न कार्य भी प्रगति पर हैः-

- स्वतंत्रता दिवस 2024 के अवसर पर 'हर घर तिरंगा' अभियान एवं "काकोरी ट्रेन एक्शन" की 100वीं वर्षगाठ के अवसर पर काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समारोह में बढ़–चढ़कर उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रतिभाग/ कार्यक्रमों का आयोजन विश्वविद्यालयों/ महाविद्यालयों द्वारा किया जा रहा है ।

- उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज में पत्रावलियों का संचालन ई-आफिस के माध्यम से किया जा रहा है ।
- प्रदेश के समस्त राज्य/ निजी विश्वविद्यालयों में फैमिली आई0डी0-एक परिवार एक पहचान योजना के अन्तर्गत उच्च शिक्षा विभाग में नामांकित विद्यार्थियों का आधार ऑथेन्टिकेशन कराये जाने की प्रक्रिया गतिमान है ।
- शैक्षणिक सत्र 2024-25 से प्रदेश के समस्त राज्य/ निजी विश्वविद्यालयों में "समर्थ" पोर्टल का क्रियान्वयन किया जा रहा है ।
- प्रदेश में प्रथम बार शिक्षक/ शिक्षणेत्तर कर्मचारियों का पूर्ण सेवा विवरण मानव सम्पदा पोर्टल पर अपलोड कर दिया गया है तथा निकट भविष्य में मानव सम्पदा पोर्टल के द्वारा सेवा, स्थानान्तरण, अवकाश, पेंशन एवं वेतन इत्यादि सम्बन्धी कार्य भी संचालित किया जाना सम्भव होगा ।
- उच्च शिक्षा की गुणवत्ता एवं महाविद्यालयों में सुशासन/ बेहतर नियंत्रण हेतु प्रदेश के शेष 10 मण्डलों में क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी कार्यालय स्थापित किया जाना प्रस्तावित है ।
- प्रदेश के 03 नये राज्य विश्वविद्यालय क्रमशः राजा महेन्द्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय, अलीगढ़, मॉ शाकुम्भरी विश्वविद्यालय, सहारनपुर एवं महाराज सुहेलदेव विश्वविद्यालय, आजगमढ़ में पदसृजन करते हुए अध्यापन कार्य संचालित कर दिया गया है ।
- विन्ध्याचल धाम मण्डल में विन्ध्यवासिनी विश्वविद्यालय, मिर्जापुर की स्थापना हेतु 50 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है ।
- मुरादाबाद मण्डल में राज्य विश्वविद्यालय, मुरादाबाद की स्थापना हेतु 50 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है ।
- देवी पाटन मण्डल में माँ पाटेश्वरी देवी राज्य विश्वविद्यालय, बलरामपुर की स्थापना के लिए भूमि क्रय हेतु रुपये- 16,52,83,000/ (सोलह करोड़ बावन लाख तिरासी हजार मात्र) की धनराशि शासन द्वारा वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गयी है ।
- प्रदेश सरकार द्वारा स्वामी विवेकानन्द युवा सशक्तीकरण योजनान्तर्गत आमागी 05 वर्ष तक प्रदेश की उच्च शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत छात्र/ छात्राओं को निःशुल्क स्मार्ट फोन एवं टैबलेट वितरित किये जायेगें ।
- प्रदेश के राजकीय महाविद्यालयों में प्रवक्ताओं के चयनित 712 पदों के प्रति 681 पदों की आनलाइन व्यवस्था की कार्यवाही एन0आई0सी0 के माध्यम से पूर्ण की जा चुकी है । प्रवक्ताओं के 128 पदों के सापेक्ष 120 प्रवक्ताओं का पदस्थापन शेष प्रवक्ताओं के पदस्थापन की कार्यवाही गतिमान है एवं प्रवक्ताओं के 384+152 पदों का अधियाचन शासन द्वारा उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग, प्रयागराज को प्रेषित किया जा चुका है ।
- प्रदेश के अशासकीय सहायता प्राप्त महाविद्यालयों में विज्ञापन संख्या- 46 के अन्तर्गत 1652 प्रवक्ता, विज्ञापन संख्या- 47 के अन्तर्गत 1150 प्रवक्ता, विज्ञापन संख्या- 49 के अन्तर्गत 290 प्राचार्य एवं विज्ञापन संख्या- 50 के अन्तर्गत 2002 प्रवक्ताओं की नियुक्ति

की गयी है एवं असि0 प्रो0 के 1017 पदों का आयोग द्वारा विज्ञापन-51 के अन्तर्गत जारी किया गया है ।

- प्रदेश में माननीय मुख्यमंत्री जी की घोषणा से आच्छादित 52 नये राजकीय महाविद्यालयों तथा 01 राजकीय महाविद्यालय में विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय की स्थापना की जा रही है, और निर्माण कार्य प्रगति पर है। उपर्युक्त वर्णित राजकीय महाविद्यालयों के अतिरिक्त राज्य सेक्टर के अन्तर्गत 24 राजकीय महाविद्यालयों का निर्माण कार्य प्रगति पर है ।

उच्च शिक्षा के अन्तर्गत राष्ट्रीय शिक्षा नीति एवं उच्च शिक्षण अध्ययन की सम्पूर्ण संकल्पना को मूर्त रुप देने का गुरुतरदायित्व प्रदेश के उच्च शिक्षण संस्थानों में शिक्षण कार्य सम्पादित कर रहे विद्वान शिक्षकों पर है । शिक्षक ही हमारे राष्ट्र एवं समाज के भविष्य के शिल्पी है । उनसे यह अपेक्षा है कि वे अपनी सम्पूर्ण बौद्धिक क्षमता के साथ –साथ अपने सामाजिक एवं राष्ट्रीय दायित्व को पहचानने और समाज तथा राष्ट्र के नव –निर्माण में अपना सर्वोच्च योगदान देने का प्रयास करेंगे । उच्च शिक्षा मे अध्ययनरत छात्र/ छात्राओं से अपेक्षा है कि वे अपने शिक्षकों से पाठ्यक्रम के साथ –साथ व्यक्तित्व निर्माण के गुण भी सीखने का प्रयास करेंगे ।

आज का यह पावन पर्व आत्म- मूल्यांकन एवं आत्म –चिन्तन का दिवस भी है । उच्च शिक्षा में गुणवत्ता एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की आधारभूत संरचना विकसित करने हेतु प्रदेश शासन द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों एवं शैक्षिक सुधारों को अधिकाधिक गतिशील और प्रभावी बनाने के लिए हमें अपनी कार्य –संस्कृति, उच्च आदर्श, विनम्र व्यवहार, पारदर्शी कार्यशैली, समयबद्ध, दायित्वबोध, राष्ट्रीयता के प्रति समर्पण, अनुराग एवं अनुशासन जैसे उदात्त मूल्यों से अभिविन्यासित करना होगा ।

स्वतंत्रता दिवस के इस पावन अवसर पर आज मैं पुनः उच्च शिक्षा विभाग के सभी कुशल प्राचार्य, विद्वान शिक्षकों, अनुशासित छात्र/ छात्राओं, कर्तव्यनिष्ठ अधिकारियों/ कर्मचारियों एवं जागरुक अभिभावकों को हार्दिक बधाई देते हुए उनका आह्वान करता हूँ कि हम सब मिलकर ऐसी शिक्षा व्यवस्था का मार्ग प्रशस्त करें, जिससे अध्ययनरत युवा शारीरिक, मानसिक एवं आत्मिक रुप से सशक्त, ऊर्जावान, कौशलयुक्त होने के साथ–साथ संवेदनशील भी हो । इन युवाओं में सांस्कृतिक, सामाजिक, नैतिक प्रतिबद्धता, मूल्यबोध एवं संस्कार विकसित हो जिससे समतामूलक समाज की संरचना करते हुए युवा मानवता की सेवा भी कर सकें । आशा है कि शिक्षा जगत से जुड़े आप समस्त विद्वतजन भारत के सच्चे नागरिक के कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए अपने–अपने कार्यों को पूर्ण क्षमता एवं निष्ठा के साथ सम्पादित करेंगे जिससे हमारे देश में सामाजिक एकता, राष्ट्रीय अखण्डता, सांस्कृतिक अक्षुण्णता एवं राष्ट्रीय भावना का वातावरण पुष्पित एवं पल्वित होगा । फलतः हमारा देश निरन्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर होगा और यही आजादी के स्वतंत्रता सेनानियों एवं महापुरुषों के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी ।

जय हिन्द ।

जय भारत ।।

डॉ0(अमित भारद्वाज)
शिक्षा निदेशक,(उच्च शिक्षा)
उत्तर प्रदेश, प्रयागराज ।